॥ शिवभक्त महापुराण ॥

भोग और मोक्ष प्रदाता ...

॥ अनुक्रमणिका ॥

विषय पृष्ठ सं.

॥ अध्याय - चतुर्थ ॥

शिवभक्तः कुरआन शरीफ की आयतें और नसीहतें 69

II SHIVBHAKTT MAHAPURAN II

॥ शिवभक्तः कुरआन शरीफ की आयतें और नसीहतें ॥

बिस्मिल्लाहिर्रहमानिर्रहीम

शुरू खुदा का नाम लेकर , जो बड़ा मेहरबान , निहायत रहम वाला है।

- कुरआन पढ़ने वाले खास अल्लाह वाले होते है।
- नमाज पढ़ा करो और जकात दिया करो और खुदा के आगे ही झुका करो।
- जो शख्स खुदा का और उसके पैगम्बरों का दुश्मन हो, ऐसे काफिरों का खुदा दुश्मन है।
- खुदा आसमानों और जमीन का पैदा करने वाला है। जब कोई काम करना चाहता है , तो उसको इर्शाद फरमा देता है कि होजा तो वह हो जाता है।
- तुम खुदा को याद किया करो ,खुदा तुम्हें याद किया करेगा और खुदा का एहसान मानते रहना और ना - शुक्री न करना।
- जिस तरह पोशाक का ताल्लुक जिस्म से होता है , उसी तरह मर्द का ताल्लुक औरत से और औरत का मर्द से होता है। औरत और मर्द बराबर है।
- अगर कोई तुम पर ज्यादती करे , तो जैसी ज्यादती वह तुम पर करे , वैसी ही तुम उस पर करो।
- खुदा को याद करो , जिस तरह अपने बाप- दादा को याद किया करते थे , बल्कि उससे भी ज्यादा।
- खुदा फसाद या फसाद करने वालों को पसन्द नही करता।
- खुदा जिसको चाहता है , सीधा रास्ता दिखा देता है।
- यतीम भी हमारे भाई ही है।

II SHIVBHAKT MAHAPURAN II

- जब तुम मतवाले हुआ करो तो नमाज न पढ़ा करो।
- ऐ ईमान वालो ! शराब और जुआं शैतान के काम है सो इनसे बचो ताकि निजात पाओ।
- खुदा के हुक्मों को हंसी और खेल न बनाओ।
- किसी शख्स को उसकी ताकत से ज्यादा तक्लीफ नही दी जाती।
- जो लोग ईमान लाये है, उनका दोस्त खुदा है कि उनको अंधेरे से निकालकर रोशनी में ले जाता है और जो काफिर है उनके दोस्त शैतान है कि उनको रोशनी से निकालकर अंधेरे में ले जाते है। यही लोग दोजखी है कि उसमें हमेशा रहेंगे।
- सौदे को खुदा ने हलाल किया है और सूद को हराम।
- खुदा किसी ना - शुक्रे गुनाहगार को दोस्त नहीं रखता।
- लोगों को उनकी ख्वाहिशों की चीजें यानि औरतें और बेटे और सोने और चांदी के बड़े - बड़े ढेर और निशान लगे हुए घोड़े और मवेशी और खेती - बाड़ी जीनतदार मालूम होती है , मगर ये सब दुनिया ही की जिन्दगी के सामान है और खुदा के पास बहुत अच्छा ठिकाना है।
- हम इन पैगम्बरों मे से किसी में कुछ फर्क नही करते और हम उसी एक खुदा के फरमांबरदार है।
- किसी गैर को अपना राजदार न बनाओ।
- हर जान को मौत का मजा चखना है।
- खुदा तो बन्दों पर बिल्कुल जुल्म नहीं करता।
- अपने परवरदिगार को याद करो, जिसने तुमको एक शख्स से पैदा किया। उससे उसका जोड़ा बनाया फिर उन दोनों से कसरत से मर्द और औरत फैला दिए।
- यतीमों का माल इनके हवाले कर कर दो। उनके पाकीजा माल को बुरे माल से न बदलो और न उनका माल अपने माल में मिलाकर खाओ कि यह बड़ा सख्त गुनाह है।
- अगर तुमको इस बात का डर हो कि यतीम लड़कियों के बारे में इंसाफ न कर सकोगे, तो उनके सिवा जो औरतें तुमको पसन्द हो ,दो - दो या तीन - तीन या चार - चार या एक ही से निकाह कर लो इससे तुम बे - इंसाफी से बच जाओगे।
- जो लोग यतीमों का माल नाजायज तौर पर खाते है , वे अपने पेट में आग भरते है।
- इंसान कुदरती तौर पर कमजोर पैदा हुआ है।
- सबके साथ एहसान करो कि खुदा एहसान करने वालों को दोस्त रखता है और घमंड करने वाले, बड़ाई मारने वाले को दोस्त नहीं रखता।

© SHIVBHAKTI MAHAPURAN

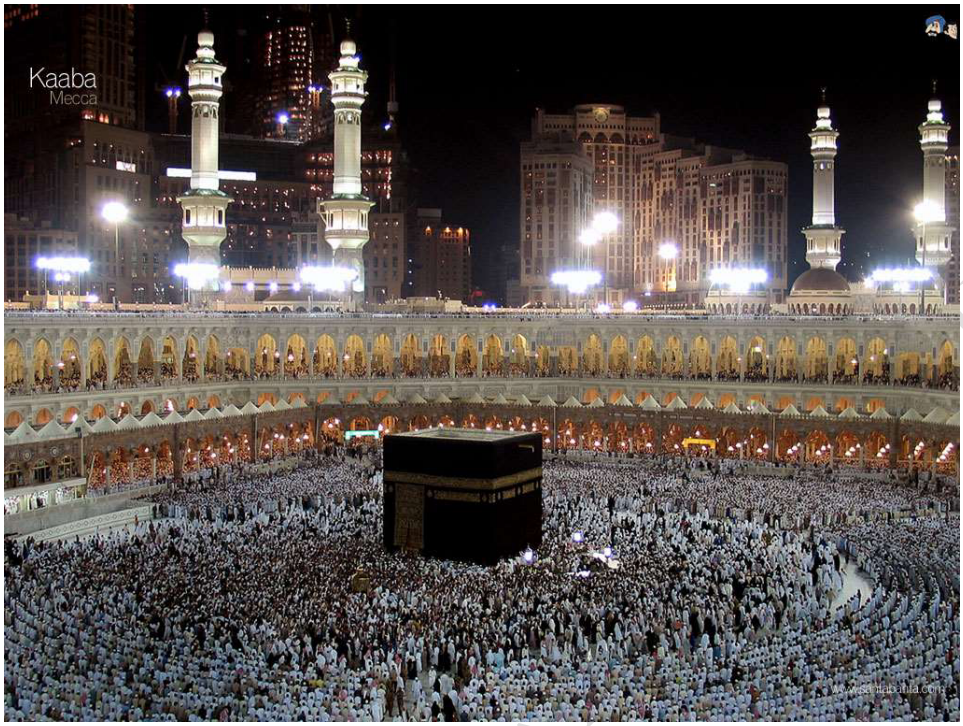

- अगर तुम बड़े - बड़े गुनाहों से बचोगे तो हम तुम्हारे छोटे - छोटे गुनाह माफ कर देंगे।
- सबसे ऊँचा दर्जा खुदा यानि परमेश्वर का फिर नबियों का फिर सिद्धिकों का, फिर शहीदों का , फिर नेक और भले लोगों का है।

परमेश्वर के संदेशवाहक नबी सल्ल

- जब तुमको कोई दुआ दे तो जबाब में उससे बेहतर या उन्हीं लफ्जों से दुआ दो।
- खुदा वह सच्चा माबूद है कि उसके सिवा कोई इबादत के लायक नहीं।

II SHIVBHAKT MA

- जो शख्स किसी दूसरे इंसान को जान - बूझकर मार डालेगा, तो उसकी सजा दोजख है।
- जब तुम नमाज पूरी कर चुको , तो खड़े और बैठे और लेटे हर हालत में खुदा को याद करो।
- किसी की बुराई बयान करना खुदा को निहायत ना - पसन्द है। हां , जालिम को बुरा कहना मुनासिब है।
- मसीह यानि मरयम के बेटे ईसा न खुदा थे , न खुदा के बेटे बल्कि खुदा के रसूल थे। ईसा मसीह परमेश्वर के संदेशवाहक थे। तो खुदा और उसके रसूलों पर ईमान लाओ।

परमेश्वर के संदेशवाहक ईसा मसीह

- सब पाकीजा चीजें तुमको हलाल है।
- तुम जब नमाज पढ़ने का इरादा किया करो , तो मुंह और कुहनियों तक हाथ धो लिया करो और सर का मसह कर लिया करो। टखनों तक पांव धो लिया करो अगर नहाने की जरूरत हो तो नहा लो। अगर बीमार हो , सफर में हो या औरतों से हम-बिस्तर हुए हो और पानी न मिल सके तो पाक मिट्टी लो और उससे मुंह और हाथों का मसह कर लो।
- जो शख्स गुनाह के बाद तौबा करे और भला बन जाये तो खुदा उसको माफ कर देता है लेकिन बार - बार गुनाह और बार - बार तौबा खुदा को बर्दाश्त नहीं है।
- नेक कामों में जल्दी करो।
- खुदा के पैगाम लोगों तक पहुँचाओ।
- हद से आगे न बढ़ो कि खुदा हद से बढ़ने वालों को दोस्त नहीं रखता।
- खुदा की याद और नमाज से तुम्हें शैतान रोकता है।
- पैगम्बर से मजाक करने की सजा दोजख है।
- खुदा सबको खाना देता है और खुद किसी से खाना नहीं लेता।
- खुदा ही मुझमें और तुझमें गवाह है।

II SHIVBHAKT MAHAPURAN II

- जिन लोगों ने कुरआन मजीद की आयतों और नसीहतों को झुठलाया , वे बहरे और गूंगे है।
- हर खबर के लिए एक वक्त मुकर्रर है।
- तारे, चांद और सूर्य खुदा नहीं है। इनको बनाने वाला ही खुदा है।
- खुदा की दी हुई रोजी खाओ और शैतान के कदमों पर न चलो।
- कह दो कि मेरी नमाज और मेरी इबादत और मेरा जीना और मेरा मरना सब अल्लाह के लिए है।
- अजाब या तो रात को आता है या दोपहर को आराम करते वक्त।
- बे - जरूरत खाना या पेट-भरे की हालत में खाना यह ज्यादा है , फिजूल - खर्ची में दाखिल है।
- जन्नत और दोजख के दर्मियान एक दीवार होगी जिस पर कुछ आदमी होंगे जो सबको उनकी सूरतों से पहचान लेंगे।
- अपने परवरदिगार से आजिजी से और चुपके - चुपके दुआएं मांगा करो।

- खुदा को भी कहते है कि देखता है, इंसान को भी कहते है कि देखता है। खुदा को भी कहते है कि सुनता है , इंसान को भी कहते है कि सुनता है , लेकिन खुदा का देखना और सुनना और तरह का है।
- लोगों ! खुदा की ही इबादत करो , उसके सिवा तुम्हारा कोई माबूद नहीं।
- अर्श की सूरत मालूम नहीं तो उस पर ठहरने वाले खुदा की सूरत मालूम हो सकती है ?
- नाप और तौल पूरी किया करो।
- खुदा काफिरों के दिलों पर मुहर लगा देता है।
- यह जमीन और आसमां खुदा की है वह अपने बंदों में से जिसे चाहता है , उसका मालिक बनाता है।
- खुदा के सब नाम अच्छे ही अच्छे है, तो उसको उसके नामों से पुकारा करो।
- खुदा का रूत्बा बुलंद है।

- वल्लजी-न तद्अून मिन् दूनिही ला यस्ततीअू - न नस्रकुम् व ला अन्फुसहुम् यन्सुरून। जिनको तुम खुदा के सिवा पुकारते हो वह न तुम्हारी ही मदद की ताकत रखते है और न खुद अपनी ही मदद कर सकते है।

- जाहिलों से किनारा कर लो।
- खुदा को दिल ही दिल में सुबह व शाम याद करते रहो।
- जो चीज तुम कुफ्फार से लूटकर लाओ उसमें से पांचवा हिस्सा खुदा के नाम पर निकाल दो।
- खुदा सब्र करने वालो का मददगार है।
- खुदा दगाबाजों को दोस्त नहीं रखता।
- अगर तुम में 20 आदमी साबित कदम रहने वाले होंगे तो दो सौ काफिरों पर गालिब होंगे।
- जितना ज्यादा ईमान उतनी ज्यादा बहादुरी।
- भला तुम ऐसे लोगों से क्यूं न लड़ो , जिन्होंने अपनी कस्मों को तोड़ डाला और खुदा के संदेशवाहक के निकालने का पक्का इरादा कर लिया।
- अगर तुम्हारे मां - बाप , भाई - बहन ईमान के मुकाबले में कुफ्र को पसन्द करे, तो उनसे दोस्ती न रखो।
- एक खुदा के सिवा किसी की इबादत न करे।
- खुदा हर चीज पर कुदरत रखता है।
- जो शख्स खुदा और उसके रसूल से मुकाबला करता है , तो उसके लिए जहन्नुम की आग तैयार है।
- मोमिन मर्द और मोमिन औरतें एक दूसरे के दोस्त है कि अच्छे काम करने को कहते और बुरी बातों से मना करते और नमाज पढ़ते और जकात देते और खुदा और उसके पैगम्बर की इताअत करते है।
- जो ताकत वाले मुसलमान दिल खोलकर खैरात करते है और जो बेचारे गरीब सिर्फ उतना ही कमा सकते है जितनी मजदूरी करते और उस थोड़ी - सी कमाई में से भी खर्च करते है , उन पर जो तान करते है और हंसते है , खुदा उन पर हंसता है और उनके लिए तक्लीफ देने वाला अजाब तैयार है।
- न तो बूढ़ों पर कुछ गुनाह है और न बीमारों पर।
- खुदा नाफरमान लोगों से खुश नहीं होता।
- जो खुदा से खुश है, खुदा उनसे खुश है।
- खुदा पाक रहने वालों को ही पसन्द करता है।
- खुदा से ज्यादा वादा पूरा करने वाला कौन है ?
- खुदा के सिवा तुम्हारा कोई दोस्त और मददगार नहीं है।

II SHIVBHAKTT MAHAPURAN II

- यह तो हो नहीं सकता कि मोमिन सब के सब निकल आएं, तो यों क्यों न किया जाय कि हर एक जमाअत में से कुछ लोग निकल जाते ताकि दीन में समझ पैदा करते और अपनी कौम की तरफ वापस आते तो उनको डर सुनाते ताकि वे हज़र करते।
- खुदा का वायदा सच्चा है।
- जिन लोगों को खुदा से मिलने की उम्मीद नहीं , उन्हें खुदा छोड़े रखते है।
- जब इंसान को तक्लीफ पहुंचती है तो लेटा और बैठा और खड़ा हर हाल में हमें पुकारता है।
- लोगो ! तुम्हारी शरारत का बवाल तुम्हारी ही जानों पर होगा , तुम दुनिया की जिंदगी के फायदे उठा लो फिर तुमको हमारे ही पास लौटकर आना है। उस वक्त तुमको बतायेंगे , जो कुछ तुम किया करते थे।
- खुदा सलामती के घर बुलाता है और जिसको चाहता है सीधा रास्ता दिखाता है।
- अल्लाह की बातें बदलती नहीं , यही तो बड़ी कामियाबी है।
- हमें खुदा पर ही भरोसा रखना चाहिए।
- हम शिवभक्त आपको नसीहत करते है कि नादान न बने।

I SHIVBHAKT MA

- खुदा नेकी को दोस्त रखता है और नेक लोग उसको दोस्त रखते है।
- इंसान का खुला दुश्मन शैतान है।
- जिन चीजों को तुम खुदा के सिवा पूजते हो , वे सिर्फ नाम है, जो तुमने और तुम्हारे बाप - दादा ने रख लिए है।
- खुदा की रहमत से बे - ईमान लोग ना-उम्मीद हुआ करते है।
- खुदा की याद से दिल आराम पाते है।
- चाल तो सब अल्लाह ही की है।
- जब फैसला हो चुकेगा, तो शैतान कहेगा जो वायदा खुदा ने तुमसे किया था , वह तो सच्चा था और जो वायदा मैनें तुमसे किया था , वह झूठा था और मेरा तुम पर किसी तरह का जोर नहीं था। हां मैनें तुम्हें बुलाया और तुमने मेरा कहा मान लिया तो मुझे मलालत नहीं अपने आप को मलालत करो।
- इंसान बड़ा बे - इंसाफ और ना - शुक्रा है।
- जहन्नुम के सात दरवाजे है।

II SHIVBHAKTT MAHAPURAN II

परमेश्वर के संदेशवाहक नबी सल्ल के पैर

- सीधा रास्ता तो खुदा तक जा पहुंचता है।
- जिन लोगों को ये खुदा के सिवा पुकारते है, वे कोई चीज भी तो नहीं बना सकते , बल्कि खुदा उनको और बनाते है। वे लांशे है, बे-जान, उनको यह भी तो मालूम नहीं कि उठाएं कब जायेंगे।
- जो लोग मुंह मोड़े तो तुम्हारा काम सिर्फ खोलकर सुना देना है।
- जो कुछ तुम्हारे पास है , वह खत्म हो जाता है , और जो खुदा के पास है, वह बाकी है।
- यों ही झूठ , जो तुम्हारी जुबान पर आ जाएं , मत कह दिया करो कि यह हलाल है।
- अगर तुम भला करोगे तो तुम अपनी जानों के लिए करोगे और अगर बुरा करोगे तो उनका बवाल भी तुम्हारी जानों पर होगा।
- इंसान जल्दबाज पैदा हुआ है।
- मां बाप के साथ भलाई करते रहो। अगर उनमें से एक या दोनों तुम्हारे सामने बुढ़ापे को पहुंच जायें, तो उनको उफ तक न कहना और न उन्हें झिड़कना और उनसे बात अदब के साथ करना। उनके हक में दुआ करो कि ऐ परवरदिगार ! जैसा उन्होंने मुझे बचपन में मुहब्बत से पाला - पोसा है, तू भी उन के हाल पर रहमत फरमा।
- फिजूलखर्ची करने वाले तो शैतान के भाई है।
- अपने हाथ को न तंग कर लो और न बिल्कुल खोल ही दो कि मलालत किए हुए और नीचे होकर बैठ जाओ।
- जमीन पर अकड़ कर मत चल कि तू जमीन को फाड़ तो नहीं डालेगा।
- सुबह के वक्त कुरआन पढ़ने वाला फरिश्ता है।

II SHIVBHAKT MAHAPURAN II

- धार्मिक किताब हिसाब होते समय उनके हाथ में दी जायेगी, वह अपनी किताब को खुश हो - होकर पढ़ेगें और उन पर धागे बराबर भी जुल्म न होगा।
- ॥ शिवभक्त महापुराण ॥ तो सिर्फ एक पैगाम पहुंचाने वाला धर्मग्रन्थ है।
- इंसान दिल का बहुत तंग है।
- तुम खुदा को अल्लाह , राम, रहमान जिस नाम से पुकारो, उसके सब नाम अच्छे है।

राम और रहमान

- तुम किसी काम के बारे में न कहना कि मैं इसे कल कर दूँगा।
- इंसान सब चीजों से बढ़कर झगड़ालू है।
- परवरदिगार को पुकारने वाला महरूम नहीं रहता।

- जिस आदमी को खुदा जलील करे , उसको कोई इज्जत देने वाला नहीं है।
- बात यह है कि आंख अंधी नहीं होती , बल्कि दिल जो सीनों में है , वे अंधे है।
- जिन लोगों को तुम खुदा के सिवा पुकारते हो , वे एक मक्खी भी नहीं बना सकते।
- नेक काम करने से कामियाबी मिलती है।
- सभी तारीफ खुदा ही के लिए है।

॥ SHIVBHAKT MA

- मोमिनों ! अपने घरों के सिवा दूसरे घरों में घर वालों से इजाजत लिए और उनको सलाम किए बगैर दाखिल न हुआ करो , यह तुम्हारे हक में बेहतर है।
- अगर तुम घर में किसी को मौजूद न पाओ तो जब तक तुमको इजाजत न दी जाय उसमें मत दाखिल हो और अगर यह कहा जाए कि इस वक्त लौट जाओ तो लौट जाया करो। यह तुम्हारे लिए बड़ी पाकीजगी की बात है।
- मोमिन मर्दे अपनी नजरें नीची रखा करे।
- मोमिन औरतें भी अपनी नजरें नीची रखा करे।
- औरतें अपनी जीनत (जेवर की जगहें) खुला न रखे। अपनी सीनों पर ओढ़नियां ओढ़े रहा करे। अपने पावों को जमीन पर इस कदर न मारे कि झंकार कानों में पहुँचे।
- सब मिलकर एक साथ खाना खाओ।
- इंसान को वक्त पर दगा शैतान देता है।
- एक खुदा ही है , जिसने रात को तुम्हारे लिए पर्दा और नींद को आराम बनाया और दिन को उठ खड़े होने का वक्त ठहराया।
- खुदा के सिवा किसी और को पुकारोगे तो तुमको अजाब दिया जायेगा।
- अजाब,अजीब है।
- जो ऐसे शेर कहे जिनमें खुदा की तारीफ हो या जिनसे उसके दीन की मदद हो, वह तारीफ के काबिल और सवाब के हकदार है।
- जो शख्स सीधा रास्ता अपनाता है तो अपने ही फायदे के लिए अपनाता है।
- उससे ज्यादा कौन गुमराह होगा जो खुदा की हिदायत को छोड़कर अपनी ख्वाहिश के पीछे चले।
- मन् का - न यरजू लिकाअल्लाहि फइन् - न अ - ज-लल्लाहि लआतिन् व हुवस्समीअुल - अलीम। जो शख्स खुदा की मुलाकात की उम्मीद रखता हो ,तो खुदा का वक्त जरूर आने वाला है और वह सुनने वाला और जानने वाला है।

II SHIVBHAKTI MAHAPURAN II

- नमाज बेहयाई और बुरी बातों से रोकती है।
- रिश्तेदारों और मुहताजों और मुसाफिरों को उनका हक देते रहो।
- खुदा काफिरों को दोस्त नहीं रखता।
- खुदा ही तो है , जो हवाओं को चलाता है, तो वे बादल को उभारती है,फिर खुदा उसको जिस तरह चाहता है , आसमान में फैला देता और तह - ब-तह कर देता है, फिर मेंह निकालता है। फिर जब वह अपने बंदों में से जिन पर चाहता है , उसे बरसा देता है, तो वे खुश हो जाते है।
- नमाज की पाबन्दी रखना और लोगों को अच्छे कामों के करने का हुक्म और बुरी बातों से मना करते रहना और जो मुसीबत तुझ पर आए, उस पर सब्र करना। बेशक ये बड़ी हिम्मत के काम है।
- लोगों से गाल न फुलाओ।
- आवाज नीची रखे, क्योंकि ऊँची आवाज गधों की होती है।
- कोई शख्स नहीं जानता कि वह कल क्या करेगा।
- औरतों को किसी अजनबी शख्स से नर्म - नर्म बातें नहीं करना चाहिए ताकि वह शख्स जिसके दिल में किसी तरह का मर्ज है, कोई उम्मीद न पैदा कर ले।
- मूर्तियाँ नबियों और नेक लोगों और आलिमों और फरिश्ते की होती थी , जो मस्जिदों और इबादतगाहों में रखी जाती थी , और मक्सूद इससे यह होता था कि उनको देखकर लोगों के दिलों में खुदा की इबादत का ज्यादा शौक हो और वह उसमें ज्यादा लगा हुआ हो। अरब वालों ने गजब कर दिया कि मूर्तियों को पूजने लगे यानि उनको खुदा समझने लगे।
- जालिमों का कोई मददगार नहीं।
- जालिम जो एक दूसरे को वायदा देते है, सिर्फ धोखा है।
- तुमको क्या हुआ कि एक दूसरे की मदद नहीं करते।
- सूरज,चांद,तारे,इंसान सब एक मुकर्रर वक्त तक चलते रहेंगें।
- नसीहत तो वही पकड़ते है, जो अक्लमंद है।
- भलाई और बुराई बराबर नहीं हो सकती , तो सख्त बातों का ऐसे तरीके से जबाब दो, जो बहुत अच्छा हो , ऐसा करने से तुम देखोगे कि जिसमें और तुममें दुश्मनी थी , वह तुम्हारा गर्म - जोश दोस्त है।
- तुम लोग न तो सूरज को सज्दा करो और न चांद को , बल्कि खुदा ही को सज्दा करो, जिसने इन चीजों को पैदा किया है।
- इंसान भलाई की दुआएं करता - करता तो थकता नहीं और अगर तक्लीफ पहुंच जाती है , तो ना - उम्मीद हो जाता और आस तोड़ बैठता है।
- जिस पर जुल्म हुआ हो, अगर वह इसके बाद बदला ले, तो ऐसे लोगों पर कुछ इल्जाम नहीं।
- जो कुछ तुम करते हो , खुदा उसको लिखवाते जाते है।
- तुम हिम्मत न हारो और दुश्मन को सुलह की तरफ न बुलाओ। खुदा तुम्हारे साथ है।

SHIVBHAKT MAHAPURAN II

- तुम लोग खुदा पर और उसके पैगम्बर पर ईमान लाओ और उसकी मदद करो और उसको बुजुर्ग समझो और सुबह और शाम उसकी तस्बीह करते रहो।
- कोई कौम किसी कौम का मजाक न उड़ाये।
- क्या तुम में से कोई इस बात को पसन्द करेगा कि अपने मरे हुए भाई का गोश्त खाये।
- न ऐब लगाये, न ताना दे , न बुरा नाम रखे और न बुरे लकब से किसी को पुकारे।
- नसीहत मोमिनों को नफा देती है।
- नव - जवान , खिदमतगार ये छिपे मोती है।
- इंसान को वही मिलता है, जिसकी वह कोशिश करता है।
- आसमान और जमीन में जितने लोग है , सब खुदा से ही मांगते है , वह हर दिन काम में लगा रहता है।
- नेकी का बदला नेकी के सिवा कुछ नहीं है।
- दुनिया की जिंदगी तो धोखे का माल है।
- जन्नत वाले तो कामियाबी हासिल करने वाले है।
- कियामत के दिन न तुम्हारे रिश्ते - नाते काम आयेंगे और न औलाद।
- जब जुमा के दिन नमाज के लिए अजान दी जाय, तो खुदा की याद यानि नमाज के लिए जल्दी करो और खरीदना व बेचना छोड़ दो।
- तुम्हारे सामने सिर्फ जुबान से इकरार करते है, भीतर कुछ रखते है और बाहर कुछ , इसलिए झूठे है और उनके कहने का एतबार नहीं।
- किसी ऐसे शख्स के कहे में न आ जाना , जो बहुत कस्में खाने वाला है।
- एक बड़ी कड़ी घड़ी होगी।
- इंसान कम हौसला पैदा हुआ है।
- हमने यकीन कर लिया है कि हम खुदा को हरा नहीं सकते और न भागकर उसको थका सकते है।
- ऐ इंसान ! तू अपने परवरदिगार की तरफ पहुंचने में खूब कोशिश करता है , सो उससे जा मिलेगा।
- तारा उछलते हुए पानी से पैदा हुआ है।
- हर तानों भरे इशारे करने वाले चुगलखोर की खराबी है।
- खुदा का नाम सुनकर शैतान पीछे हट जाता है।
- खुद में ही खुदा है।

II SHIVBHAKTI MAHAPURAN II

बाबा कासिम सुलेमानी की दरगाह , चुनार

फातिहः

बिस्मिल्लाहिर्रहमानिर्रहीम

'' सब तरह की तारीफ खुदा ही के लिए है जो तमाम मख्लूकात का परवरदिगार है। बड़ा मेहरबान , निहायत रहम वाला , इंसाफ के दिन का हाकिम ! ऐ परवरदिगार ! हम तेरी ही इबादत करते है और तुझी से मदद मांगते है , हमको सीधे रास्ते पर चला , उन लोगों का रास्ता जिन पर तू अपना फजल व करम करता रहा , न उनका जिन पर गुस्सा होता रहा और न गुमराहों का।''

दुआएं मासूर :

II SHIVBHAKTI MA II

ऐ अल्लाह ! मेरे मरने के बाद मेरी कब्र की परेशानी से मुझको मानूस करना। इस महान ' शिवभक्त महापुराण की कुरआन शरीफ की आयतें और नसीहतें ' के वसीले से मुझ पर रहम कर और शिवभक्त महापुराण की कुरआन शरीफ की आयतें और नसीहतें को मेरे लिए इमाम , नूर, हिदायत और रहमत बना। ऐ अल्लाह ! इस कुरआन शरीफ की आयतें और नसीहतें में जो मैं भूल गया हूं मुझे याद दिला और जो मैं नहीं जान पाया वह मुझे सिखला। अमन से रात दिन कुरआन शरीफ की आयतें और नसीहतें तिलावत करने का नसीब दे और उसको मेरे लिए दलील बना। ऐ दुनिया के पालनहार ! यह मेरी दुआ कुबूल कर। (आमीन...)

ऐ मेरे खुदा ! मेरी तरफ से तुझे सलाम पर सलाम और बहुत बहुत बहुत सलाम ...

अल्लाहुम्मा सल्लि अला मुहम्मदिन ०

II SHIVBHAKTMAHAPURAN II